

वार्षिक पाठ्यक्रम संरचना कक्षा: X (2022-2023)

विषय: सामाजिक विज्ञान

(सी. बी. एस. ई. विषय कोड संख्या. 087)

क्रम संख्या	विषय	अंक
I	इतिहास: भारत व समकालीन विश्व-2	20
II	भूगोल: समकालीन भारत-2	20
III	लोकतान्त्रिक राजनीति-2	20
IV	आर्थिक विकास की समझ	20
	कुल	80
	आंतरिक मूल्यांकन	20
	पूर्णांक	100

पाठ्य पुस्तक	विषयवस्तु	अधिगम उद्देश्य
भारत एवं समकालीन विश्व – 2	उपखण्ड 1.1 घटनाएँ और प्रक्रियाएँ अध्याय-1 यूरोप में राष्ट्रवाद का उदय <ul style="list-style-type: none"> फ्राँसीसी क्रांति और राष्ट्र का विचार यूरोप में राष्ट्रवाद का निर्माण क्रांतियों का युग: 1830-1848 जर्मनी और इटली का निर्माण राष्ट्र की दृश्य-कल्पना राष्ट्रवाद और साम्राज्यवाद 	<ul style="list-style-type: none"> 1830 के उपरांत यूरोप में विकसित हुई राष्ट्रवाद की अवधारणा की समझ से परिचित हो सकेंगे। उससे उत्पन्न हुए नए राष्ट्रों की पहचान कर सकेंगे। यूरोपीय राष्ट्रवाद और गैर औपनिवेशिक राष्ट्रवाद के मध्य समानता एवं अंतरों की पहचान कर सकेंगे। राष्ट्रवाद की अवधारणा के उदय की समझ विकसित हो सकेगी। साथ ही यह भी जान सकेंगे कि इस विचारधारा ने नए राष्ट्र-राज्यों के उदय में किस प्रकार योगदान दिया।
	अध्याय-2 भारत में राष्ट्रवाद <ul style="list-style-type: none"> प्रथम विश्वयुद्ध, खिलाफत आंदोलन और असहयोग आंदोलन के भीतर अलग – अलग धाराएँ सविनय अवज्ञा की ओर 	<ul style="list-style-type: none"> असहयोग और सविनय अवज्ञा आंदोलन की केस स्टडी के माध्यम से भारतीय राष्ट्रवाद की प्रमुख विशेषताओं की पहचान करना। उस समय के विभिन्न सामाजिक आंदोलनों की प्रकृति का विश्लेषण कर

	<ul style="list-style-type: none"> सामूहिक अपनेपन का भाव मानचित्र कार्य 	<p>सकेंगे।</p> <ul style="list-style-type: none"> विभिन्न राजनीतिक संगठनों और व्यक्तियों के लेखों और आदर्शों से परिचित हो सकेंगे। अखिल भारतीयता की अनुभूति को बढ़ावा देने वाले विचारों की प्रशंसा कर सकेंगे।
	<p>इतिहास उपखण्ड 1.2: जीविका, अर्थव्यवस्था एवं समाज</p> <p>अध्याय-3</p> <p>भूमंडलीकृत विश्व का बनना</p> <ul style="list-style-type: none"> आधुनिक युग से पहले उन्नीसवीं शताब्दी (1815–1914) महायुद्धों के बीच अर्थव्यवस्था विश्व अर्थव्यवस्था का पुर्ननिर्माण: युद्धोत्तर काल 	<ul style="list-style-type: none"> विभिन्न प्रक्रियाओं के माध्यम से वैश्वीकरण के दीर्घकालिक इतिहास को प्रदर्शित कर सकेंगे। वैश्वीकरण के स्थानीय अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले प्रभावों का विश्लेषण कर सकेंगे। वैश्वीकरण के विभिन्न सामाजिक समूहों पर पड़ने वाले प्रभावों के अनुभवों पर चर्चा कर सकेंगे।
भूगोल : समकालीन भारत 2	<p>अध्याय-1</p> <p>संसाधन एवं विकास</p> <ul style="list-style-type: none"> अवधारणा संसाधनों का विकास संसाधन नियोजन— भारत में संसाधन नियोजन, संसाधनों का संरक्षण भू-संसाधन भू-उपयोग भारत में भू-उपयोग प्रारूप भूमि निम्नीकरण और संरक्षण उपाय मृदा संसाधन – मृदाओं का वर्गीकरण, मृदा अपरदन और संरक्षण (बॉक्स में भारत के राज्यों के विषय में दी गई जानकारी को छोड़कर) मानचित्र कार्य 	<ul style="list-style-type: none"> संसाधनों के महत्व से परिचित हो सकेंगे। साथ ही संसाधनों के विवेकपूर्ण प्रयोग और उनके संरक्षण की आवश्यकता को समझ सकेंगे।
	<p>अध्याय – 2</p> <p>वन एवं वन्य जीव संसाधन</p> <ul style="list-style-type: none"> भारत में वन और वन्य जीवन का संरक्षण वन एवं वन्य जीव संसाधनों के प्रकार और वितरण समुदाय और वन संरक्षण। 	<ul style="list-style-type: none"> पर्यावरण में वन एवं वन्य जीवन के महत्त्व से परिचित हो सकेंगे। वन एवं वन्य जीवों का संरक्षण एवं प्रबंधन किस प्रकार वर्तमान एवं भविष्य में पर्यावरण एवं अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है, से संबंधित जानकारी एवं योग्यता से परिचित हो सकेंगे।

	<p>अध्याय-3 जल संसाधन</p> <ul style="list-style-type: none"> जल दुर्लभता और जल संरक्षण एवं प्रबंधन की आवश्यकता बहु-उद्देशीय नदी परियोजनाएँ और समन्वित जल संसाधन प्रबंधन वर्षा जल संग्रहण मानचित्र कार्य 	<ul style="list-style-type: none"> जल के संसाधन के रूप में महत्व की समझ विकसित हो सकेगी साथ ही जल के विवेकपूर्ण प्रयोग और उसके संरक्षण के लिए जागरुक हो सकेंगे।
	<p>अध्याय-4 कृषि</p> <ul style="list-style-type: none"> कृषि के प्रकार: प्राथमिक कृषि, गहन कृषि, व्यापारिक कृषि शस्य प्रारूप – मुख्य फसलें, खाद्य फसलें, अनाजों के अतिरिक्त खाद्य फसलें, अखाद्य फसलें, प्रौद्योगिकीय और संस्थागत सुधार खाद्य सुरक्षा (वैश्वीकरण का कृषि पर प्रभाव को छोड़कर) मानचित्र कार्य 	<ul style="list-style-type: none"> राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में कृषि के महत्व का वर्णन कर सकेंगे। कृषि के विभिन्न प्रकारों की पहचान एवं उन पर चर्चा कर सकेंगे। मुख्य फसलों के स्थानिक वितरण व फसल पद्धति और वर्षा की पद्धति के मध्य संबंधों की पहचान कर सकेंगे। स्वतंत्रता के उपरांत सरकारी नीतियों के माध्यम से हुए संस्थागत व तकनीकी सुधारों का वर्णन कर सकेंगे।
<p>लोकतांत्रिक राजनीति-2</p>	<p>अध्याय-1 सत्ता की साझेदारी</p> <ul style="list-style-type: none"> बेल्जियम एवं श्रीलंका श्रीलंका में बहुसंख्यकवाद बेल्जियम में समायोजन सत्ता में साझेदारी क्यों आवश्यक है? सत्ता में साझेदारी के विभिन्न प्रारूप 	<ul style="list-style-type: none"> लोकतंत्र में सत्ता की साझेदारी की केंद्रीय भूमिका से परिचित हो सकेंगे। सत्ता में साझेदारी के स्थानिक और सामाजिक तंत्र की कार्यप्रणाली को समझ सकेंगे।
	<p>अध्याय-2 संघवाद</p> <ul style="list-style-type: none"> संघवाद क्या है? कौन – से कारक भारत को एक संघीय व्यवस्था वाला देश बनाते हैं? संघीय व्यवस्था कैसे चलती है? भारत में विकेंद्रीकरण 	<ul style="list-style-type: none"> संघीय प्रावधानों और संस्थानों का विश्लेषण कर सकेंगे। शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में विकेंद्रीकरण का वर्णन कर सकेंगे।
	<p>अध्याय -4 जाति, धर्म और लैंगिक मसले</p> <ul style="list-style-type: none"> लैंगिक मसले और राजनीति – सार्वजनिक/निजी विभेद, महिलाओं का राजनीतिक प्रतिनिधित्व, धर्म, सांप्रदायिकता और राजनीति – सांप्रदायिकता, धर्मनिरपेक्ष राज्य (पाठ्यपुस्तक लोकतांत्रिक राजनीति II के नवीन प्रिंट 2021 में पृष्ठ संख्या 46,48,49 पर छपे चित्रों को छोड़कर) 	<ul style="list-style-type: none"> भारतीय लोकतंत्र के सम्मुख सांप्रदायिकता की चुनौती की पहचान एवं विश्लेषण कर सकेंगे। राजनीति में जाति और नृजातियता के सक्षम और निराशाजनक परिणामों से परिचित हो सकेंगे। राजनीति में लैंगिक परिप्रेक्ष्य के दृष्टिकोण की समझ विकसित हो सकेगी।

	<ul style="list-style-type: none"> ● जाति और राजनीति – जातिगत असमानता, जाति की राजनीति, राजनीति में जाति 	
आर्थिक विकास की समझ	<p>अध्याय-1 विकास</p> <ul style="list-style-type: none"> ● विकास क्या वादा करता है – विभिन्न व्यक्ति, विभिन्न लक्ष्य ● आय और अन्य लक्ष्य ● राष्ट्रीय विकास ● विभिन्न देशों या राज्यों की तुलना कैसे की जाए? ● आय और अन्य मापदण्ड ● सार्वजनिक सुविधाएँ ● विकास की धारणीयता 	<ul style="list-style-type: none"> ● समष्टि अर्थशास्त्र की अवधारणा से परिचित हो सकेंगे। ● भारत में सर्वांगीण मानव विकास की उस अवधारणा को समझ सकेंगे जिसमें आय के अतिरिक्त शिक्षा और स्वास्थ्य को भी शामिल किया जाता है। ● सतत पोषणीय विकास और जीवन की गुणवत्ता के महत्व को समझ सकेंगे।
आर्थिक विकास की समझ	<p>अध्याय-2 भारतीय अर्थव्यवस्था के क्षेत्रक</p> <ul style="list-style-type: none"> ● आर्थिक कार्यों का क्षेत्रक ● तीनों क्षेत्रकों की तुलना ● भारत में प्राथमिक, द्वितीयक और तृतीयक क्षेत्रक ● संगठित और असंगठित के रूप में क्षेत्रकों का विभाजन ● स्वामित्व आधारित क्षेत्रक – सार्वजनिक और निजी क्षेत्रक 	<ul style="list-style-type: none"> ● रोजगार उत्पन्न करने वाले प्रमुख क्षेत्रक की पहचान कर सकेंगे। ● अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में सरकार के निवेश के कारणों को समझ सकेंगे।
<ul style="list-style-type: none"> ● उपर्युक्त पाठ्यक्रम 30 सितम्बर 2022 तक पूर्ण कर लिया जाए। ● पाठ्यक्रम पूरा होने के पश्चात् मध्यावधि परीक्षा के लिए पुनरावृत्ति करवाई जाए। 		
मध्यावधि परीक्षा		

पाठ्य पुस्तक	विषयवस्तु	अधिगम उद्देश्य
भारत एवं समकालीन विश्व – 2	अध्याय-4 औद्योगीकरण का युग <ul style="list-style-type: none"> औद्योगिक क्रान्ति से पहले हाथ का श्रम और वाष्प शक्ति उपनिवेशों में औद्योगीकरण फ़ैक्ट्रियों का आना औद्योगिक विकास का अनूठापन वस्तुओं के लिए बाजार 	<ul style="list-style-type: none"> आद्य प्रौद्योगिकी काल एवं आरम्भिक फैक्ट्री प्रणाली से परिचित हो सकेंगे। औद्योगिकीकरण की प्रक्रिया एवं उसके मजदूर वर्ग पर पड़ने वाले प्रभावों से परिचित हो सकेंगे। वस्त्र उद्योग के संदर्भ में उपनिवेशों में औद्योगिकीकरण की समझ को विकसित कर सकेंगे।
	इतिहास खण्ड 3 रोज़ाना की जिंदगी, संस्कृति और राजनीति पाठ-5 : मुद्रण संस्कृति और आधुनिक दुनिया <ul style="list-style-type: none"> शुरुआती छपी किताबें यूरोप में मुद्रण का आना, मुद्रण क्रांति और उसका असर पढ़ने का जुनून उन्नीसवीं सदी भारत का मुद्रण संसार धार्मिक सुधार और सार्वजनिक बहसें प्रकाशन के नए रूप प्रिंट और प्रतिबंध 	<ul style="list-style-type: none"> मुद्रण संस्कृति और विचारों को प्रसारित करने के मध्य संबंधों की पहचान कर सकेंगे। प्रोपेगैंडा साहित्य में सम्मिलित चित्र एवं कार्टून की समझ विकसित की जाएगी एवं अतीत की मुख्य घटनाएँ व मुद्दों पर समाचार-पत्रों में प्रकाशित वाद विवादों से परिचित करवाया जाएगा। यह समझ विकसित की जाएगी कि लेखन के प्रकार इतिहास सम्बद्ध होते हैं, और यह समाज में होने वाले ऐतिहासिक परिवर्तनों को प्रदर्शित व निर्देशित करते हैं।
भूगोल : समकालीन भारत 2	अध्याय-5 खनिज तथा ऊर्जा संसाधन <ul style="list-style-type: none"> खनिज क्या है? खनिज प्राप्ति के प्रकार – खनिज कहाँ प्राप्त होते हैं?, लौह व अलौह खनिज, अधात्विक खनिज, चट्टानी खनिज खनिजों का संरक्षण ऊर्जा संसाधन के प्रकार – परंपरागत ऊर्जा संसाधन एवं गैर परंपरागत ऊर्जा संसाधन ऊर्जा संसाधनों का संरक्षण। मानचित्र कार्य 	<ul style="list-style-type: none"> खनिज एवं ऊर्जा के विभिन्न संसाधनों की पहचान एवं उनकी उपलब्धता के स्थानों से परिचित हो सकेंगे। संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग की जरूरत को समझ सकेंगे।

	<p>अध्याय-6 विनिर्माण उद्योग</p> <ul style="list-style-type: none"> विनिर्माण का महत्त्व – औद्योगिक अवस्थिति (उद्योग एवं बाजार के संबंध को छोड़कर), कृषि आधारित उद्योग (सूती कपड़ा उद्योग, जूट उद्योग, चीनी उद्योग को छोड़कर), खनिज आधारित उद्योग, (लौह एवं अयस्क उद्योग, सीमेंट उद्योग को छोड़कर), औद्योगिक प्रदूषण तथा पर्यावरण निम्नीकरण, पर्यावरण निम्नीकरण की रोकथाम मानचित्र कार्य 	<ul style="list-style-type: none"> राष्ट्रीय आय में उद्योगों के महत्व की पहचान कर सकेंगे। साथ ही उन क्षेत्रीय विषमताओं को समझ सकेंगे जिनके कारण उद्योगों का विकास एक क्षेत्र तक सीमित रह जाता है। नियोजित औद्योगिक विकास की आवश्यकता पर चर्चा कर सकेंगे। सतत पोषणीय विकास में सरकार की भूमिका का आलोचनात्मक मूल्यांकन कर सकेंगे।
	<p>अध्याय-7 राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएँ</p> <ul style="list-style-type: none"> स्थल परिवहन रेल परिवहन पाइपलाइन जल परिवहन प्रमुख पत्तन वायु परिवहन संचार सेवाएँ अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर्यटन-एक व्यापार के रूप में। मानचित्र कार्य 	<ul style="list-style-type: none"> सिकुड़ते हुए संसार में परिवहन और संचार के महत्व को समझ सकेंगे। देश के आर्थिक विकास में व्यापार और पर्यटन के महत्व को समझ सकेंगे।
<p>लोकतांत्रिक राजनीति-2</p>	<p>अध्याय – 6 राजनीतिक दल</p> <ul style="list-style-type: none"> राजनीतिक दलों की जरूरत क्यों? अर्थ, कार्य, आवश्यकता कितने राजनीतिक दल? राष्ट्रीय दल क्षेत्रीय दल राजनैतिक दलों के लिए चुनौतियाँ दलो को कैसे सुधारा जा सकता है? 	<ul style="list-style-type: none"> लोकतंत्र में दलगत प्रणाली का विश्लेषण कर सकेंगे। भारत की मुख्य राजनीतिक दलों, उनके सम्मुख चुनौतियों और देश में हुए सुधारों से परिचित हो सकेंगे।
	<p>अध्याय-7 लोकतंत्र के परिणाम</p> <ul style="list-style-type: none"> लोकतंत्र के परिणामों का मूल्यांकन कैसे करें ? उत्तरदायी, जिम्मेदार और वैध शासन आर्थिक सवृद्धि और विकास असमानता और गरीबी में कमी सामाजिक विविधताओं में सामंजस्य नागरिकों की गरिमा और आजादी। 	<ul style="list-style-type: none"> सरकार के अन्य रूपों से तुलनात्मक अध्ययन करते हुए लोकतंत्र की कार्यप्रणाली की समीक्षा कर सकेंगे। भारत में लोकतंत्र के जारी एवं सफल रहने के कारणों से परिचित हो सकेंगे। भारतीय लोकतंत्र की उपलब्धियों और कमियों के स्रोतों में विभेद कर पाएँगे।

आर्थिक विकास की समझ	अध्याय-3 मुद्रा और साख <ul style="list-style-type: none"> मुद्रा विनिमय का एक माध्यम मुद्रा के आधुनिक रूप बैंकों की ऋण संबंधी गतिविधियाँ साख की दो भिन्न स्थितियाँ ऋण की शर्तें भारत में औपचारिक क्षेत्रक में साख निर्धनों के लिए स्वयं सहायता समूह 	<ul style="list-style-type: none"> मुद्रा को आर्थिक अवधारणा के रूप में समझ सकेंगे। दैनिक जीवन में वित्तीय संस्थानों की भूमिका को समझ सकेंगे।
	अध्याय-4 वैश्वीकरण और भारतीय अर्थव्यवस्था <ul style="list-style-type: none"> अंतरदेशीय उत्पादन विश्व – भर के उत्पादन को एक – दूसरे से जोड़ना विदेश व्यापार और बाजारों का एकीकरण वैश्वीकरण क्या है? वैश्वीकरण को संभव बनाने वाले कारक विश्व व्यापार संगठन भारत में वैश्वीकरण का प्रभाव न्यायसंगत वैश्वीकरण के लिए संघर्ष 	<ul style="list-style-type: none"> वैश्विक अर्थव्यवस्था की घटनाओं से परिचित हो सकेंगे।
	अध्याय – 5 उपभोक्ता अधिकार नोट – अध्याय 5 उपभोक्ता अधिकार को केवल प्रोजेक्ट कार्य में प्रयोग किया जाएगा।	<ul style="list-style-type: none"> उपभोक्ता के अधिकार और कर्तव्यों से परिचित हो सकेंगे तथा यह उपभोक्ता को बाजार में होने वाले शोषण से बचाने के लिए उपलब्ध कानूनी प्रावधानों से परिचित हो सकेंगे।
नोट– उपर्युक्त पाठ्यक्रम 15 दिसम्बर 2022 तक पूर्ण किया जाए। वार्षिक परीक्षा तथा प्री-बोर्ड परीक्षा में संपूर्ण पाठ्यक्रम का मूल्यांकन किया जाएगा।		
वार्षिक परीक्षा 2023		

परियोजना कार्य

कालांश 5

कक्षा X 2022–2023

अंक 5

1. प्रत्येक विद्यार्थी को निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर परियोजना कार्य करना होगा।

उपभोक्ता आंदोलन

अथवा

सामाजिक मुद्दे

अथवा

सतत् पोषणीय विकास

2. **उद्देश्य:** परियोजना कार्य का उद्देश्य विद्यार्थियों में सामाजिक विज्ञान की सभी शाखाओं और अंतः विषय परिप्रक्षेय की व्यवहारवादी अंतर्दृष्टि की समझ विकसित करना है। यह विद्यार्थियों में जीवन कौशल के विकास में सहायक सिद्ध होगा।
यदि आवश्यक हो तो विद्यार्थी विद्यालय से बाहर जाकर आंकड़े इकट्ठे कर सकते हैं, और विभिन्न प्राथमिक और द्वितीयक आंकड़ों का संग्रहण कर सकते हैं। यदि संभव हो, तो विभिन्न कला के प्रकारों को प्रोजेक्ट कार्य में सम्मिलित किया जा सकता है।
3. परियोजना कार्य से संबंधित विभिन्न आयामों में अंक विभाजन निम्नलिखित प्रकार से हैं:—

क्र. संख्या	आयाम	अंक
1.	विषय की सटीकता, मौलिकता तथा विश्लेषण	2
2.	प्रस्तुतीकरण एवं रचनात्मकता	2
3.	साक्षात्कार	1

4. विद्यार्थी विभिन्न विषयों पर परियोजना कार्य करें तथा उसके उपरान्त विभिन्न अंतः क्रियात्मक सत्रों (जैसे प्रदर्शनी, पैनल चर्चा आदि) के माध्यम से कक्षा के साथ साझा करें।
5. इस गतिविधि के अंतर्गत मूल्यांकन से संबंधित सभी कागजात संबंधित विद्यालय के द्वारा सूक्ष्मतापूर्वक संभाल कर रखा जाना चाहिए।
6. निम्नलिखित को प्रदर्शित करते हुए परियोजना कार्य की संक्षिप्त रिपोर्ट तैयार की जानी चाहिए:
 - व्यक्तिगत अथवा सामूहिक अन्तर्क्रिया का उद्देश्य
 - क्रियाकलाप की तारीख
 - इस प्रक्रिया में उत्पन्न नये विचार
 - मौखिक अभिव्यक्ति में पूछे गए प्रश्न
7. सभी शिक्षक और विद्यार्थी इस बात का ध्यान रखें कि परियोजना कार्य अथवा मॉडल बनाने में पर्यावरण के अनुकूल उत्पादों का इस्तेमाल हो तथा उसका लागत मूल्य कम से कम हो।
8. परियोजना रिपोर्ट विद्यार्थियों द्वारा हस्त लिखित अथवा डिजिटल हो सकती है।
9. परियोजना कार्य के द्वारा शिक्षार्थियों के संज्ञानात्मक, भावनात्मक और मनो प्रेरणा कौशल को बढ़ाने की आवश्यकता है। इसमें शिक्षक मूल्यांकन के साथ – साथ स्व – मूल्यांकन एवं सहपाठी मूल्यांकन तथा परियोजना – आधारित और पूछताछ – आधारित शिक्षा, कला एकीकृत गतिविधियाँ, प्रयोग, मॉडल, क्विज, रोल- प्ले, समूह कार्य, पोर्टफोलियो आदि में विद्यार्थियों की प्रगति शामिल होगी। (एनइपी 2020)

(परियोजना कार्य में पावर पाइंट प्रजेंटेशन, प्रदर्शनी, प्रहसन, एल्बम,फाइल/गीत एवं नृत्य अथवा सांस्कृतिक कार्यक्रम/ कहानी कहना/वाद-विवाद/पैनल संवाद, पेपर प्रस्तुतीकरण आदि जो भी दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए सहज हो उसे शामिल करें।)

10. परियोजना से संबंधित रिकॉर्ड परीक्षा परिणाम की तिथि से कम से कम तीन महीने तक रखा जाएगा ताकि बोर्ड इसकी जाँच कर सके। हालांकि न्यायिक विचाराधीन अथवा सूचना के अधिकार अधिनियम से जुड़े हुए मामलों में यह रिकॉर्ड तीन महीनों से भी अधिक समय तक संभाल कर रखा जा सकता है।

मानचित्र प्रश्न से संबंधित विषय-वस्तु

इतिहास-भारत का राजनीतिक रेखा मानचित्र

अध्याय-3: भारत में राष्ट्रवाद – 1918-1930 केवल पहचानने और चिन्हित करने के लिए

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का अधिवेशन

1. कलकत्ता (सितम्बर 1920)
2. नागपुर (दिसम्बर 1920)
3. मद्रास (1927)

भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के महत्वपूर्ण केन्द्र: असहयोग आंदोलन और सविनय अवज्ञा आंदोलन

1. चम्पारन : बिहार – नील किसानों का आंदोलन
2. खेड़ा: गुजरात – किसान सत्याग्रह
3. अहमदाबाद : गुजरात – सूती वस्त्र मिल मजदूरों का सत्याग्रह
4. अमृतसर (पंजाब) – जलियाँवाला बाग हत्याकांड
5. चौरी-चौरा (उत्तर-प्रदेश) असहयोग आंदोलन को समाप्त करना।
6. डांडी (गुजरात) – सविनय अवज्ञा आंदोलन

2. भूगोल. भारत का राजनीतिक रेखा मानचित्र

अध्याय-1: संसाधन और विकास ;केवल पहचानना

मृदा के मुख्य प्रकार

अध्याय-3: जल संसाधन (केवल ढूँढना और चिन्हित करना)

बांध: सलाल, भाखड़ा नांगल, टिहरी, राणा प्रताप सागर, सरदार सरोवर, हीराकुंड, नागार्जुन सागर, तुंगभद्रा।

अध्याय-4: कृषि (केवल पहचानना)

1. चावल और गेहूँ के मुख्य उत्पादक क्षेत्र।
2. मुख्य उत्पादक राज्य : गन्ना, चाय, कॉफी, रबड़, कपास और पटसन।

अध्याय-5: खनिज और ऊर्जा संसाधन

क) खनिज (केवल पहचानना)

1. लौह अयस्क खाने : मयूरभंज, दुर्ग, बेलाडिला, बेलारी, कुद्रेमुख।
2. कोयले की खानें : रानीगंज, बोकारो, तलचर, नेवेली।
3. तेल क्षेत्र : डिगबोई, नहरकटिया, मुंबई हाई, बसीन, कलोल, अंकलेश्वर।

ख) ऊर्जा केन्द्र (ढूँढना और चिन्हित करना)

- 1- तापीय केन्द्र : नामरूप, सिंगरौली, रामागुडम।
- 2- आणविक केन्द्र : नरोरा, काकरापारा, तारापुर, कलपक्कम।

अध्याय-6: विनिर्माण उद्योग (केवल ढूँढना और चिन्हित करना)

सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क : नोएडा, गाँधीनगर, मुंबई, पुणे, हैदराबाद, बंगलौर, चेन्नई, तिरुवनंतपुरम।

अध्याय-7: राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएँ (केवल ढूँढना और चिन्हित करना)

मुख्य पतन : कांडला, मुंबई,मार्मागाओं, न्यू मंगलौर, कोच्चि, तूतीकोरिन, चेन्नई, विशाखापट्टनम् पाराद्वीप,हल्दिया।

अंतर्राष्ट्रीय हवाई पत्तन : :अमृतसर (राजा सांसी — श्री गुरु रामदास जी), दिल्ली (इंदिरा गाँधी), मुंबई (छत्रपति शिवाजी), चेन्नई (मीनाम्बकम), कोलकाता (नेताजी सुभाषचंद्र बोस), हैदराबाद (राजीव गाँधी)

(नोट: ढूँढने और चिन्हित करने वाले स्थान, पहचान करने के लिए भी पूछा जा सकता है।)

अनुशंसित पुस्तकें:

1. इतिहास: भारत व समकालीन विश्व 2 एन.सी.ई.आर.टी द्वारा प्रकाशित
2. भूगोल: समकालीन भारत-2 एन.सी.ई.आर.टी द्वारा प्रकाशित
3. राजनीति विज्ञान: लोकतान्त्रिक राजनीति-2 एन.सी.ई.आर.टी द्वारा प्रकाशित
4. अर्थशास्त्र: आर्थिक विकास की समझ एन.सी.ई.आर.टी द्वारा प्रकाशित
5. आओ मिलकर चले एक सुरक्षित भारत की ओर भाग -3 सीबीएसई द्वारा प्रकाशित

SOCIAL SCIENCE (CODE NO. 087)

QUESTION PAPER DESIGN

CLASS X 2022-2023

Time:3 Hours

Max. Marks:80

Sr. No.	Competencies	Total Marks	Weightage %
1	Remembering and Understanding: Exhibit memory of previously learned material by recalling facts, terms, basic concepts, and answers Demonstrate understanding of facts and ideas by organizing, comparing, translating, interpreting, giving descriptions, and stating main ideas	28	35%
2	Applying: Solve problems to new situations by applying acquired knowledge, facts, techniques and rules in a different way.	15	18.75%
3	Formulating, Analysing, Evaluating and Creating: Examine and break information into parts by identifying motives or causes. Make inferences and find evidence to support generalizations. Presenting and defending opinions by making judgments about information, validity of ideas, or quality of work based on a set of criteria; Compiling information together in a different way by combining elements in a new pattern or proposing alternative solutions.	32	40%
4.	Map Skills	5	6.25%
5.	Total	80	100

Note:

1. Teachers may refer 'Learning Outcomes' published by NCERT for developing lesson plans, assessment framework and questions.
2. 02 items from History Map list and 03 items from Geography Map list.